प्रतिदर्श प्रश्न पत्र

2025 –26

हिन्दी

(केवल कृषि वर्ग भाग–II के लिए)

कक्षा–12

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक–80**

निर्देश . इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड अ और ब हैं। दोनों खण्डों में पूछे गए सभी प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।

i. प्रश्नों के उत्तर यथासम्भव क्रमवार दीजिए।

ii. प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित है।

खण्ड–अ

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

हमारी बहुत–सी समस्याएँ बिना विचारे कार्य करने का परिणाम होती हैं। बिना विचारे कार्य करने से हम सदा चिन्तित एवं अवसन्न होकर अकथनीय कष्टों से अपने जीवन को अभिपूरित कर लेते हैं। अविचारित कार्य करने पर हम मन–ही–मन पछताते रहते हैं, किन्तु उसका कोई लाभ नहीं होता। कभी–कभी अविचारित कार्यों के दुष्परिणामों का दुष्प्रभाव बहुत भयानक होता है, किन्तु दुःख इस बात का है कि ऐसे कार्यों को करने से पहले मानव कभी यह अनुभव ही नहीं करता कि अविचारित कार्य का दुष्परिणाम उसके लिए विनाशक हो सकता है। विचारपूर्वक कार्य करने वाला ही यह जान सकता है कि कर्तव्य क्या है और अकर्तव्य क्या है। कर्तव्य अकर्तव्य का विवेक रहने से ही मानव कर्म के साथ ज्ञान और बुद्धि का मेल बैठाता है,और परिणामस्वरूप अविचारित कर्म के विनाशक परिणामों से बच जाता है। इसलिए सुविचारित कर्म करना ही मानव का सर्वोत्कृष्ट कर्तव्य है। इसी के आधार पर जीवन को सम्पूर्ण, सबल और प्रभावशाली बनाया जा सकता है।

(क)गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

(ख)बिना विचारे कार्य करने का क्या परिणाम होता है? 1

(ग)सुविचारित कार्य करने के क्या लाभ हैं? 1

(घ)कर्तव्य – अकर्तव्य का बोध किसे बना रहता है? 1

(ङ)सुविचारित और अविचारित कार्यों में क्या अन्तर है?उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 2

(च)क्या आपको लगता है कि मनुष्य को हर कार्य करने से पहले सोचना चाहिए? तर्क सहित उत्तर दीजिए। 2

(छ)'सुविचारित कर्म का महत्व' विषय पर एक छोटा अनुच्छेद लिखिए। 2

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए। 8

(क)डिग्री प्राप्त युवा और बेरोजगारी

(ख)जीवन में अनुशासन का महत्व

(ग)जीवन में कम्प्यूटर का महत्व

(घ)भारत में स्टार्टअप कल्चर का विकास

3.निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए – 1x5 = 5

(क)जनसंचार के आधुनिक माध्यमों में सबसे पुराना माध्यम कौन सा है?

(i) इंटरनेट
(ii) रेडियो
(iii) दूरदर्शन
(iv) मुद्रित माध्यम

(ख)कम से कम शब्दों में दर्शकों तक तत्काल पहुंचाई जाने वाली खबर को कहते हैं–

(i) फोन–इन
(ii) लाइव
(iii) ब्रेकिंग न्यूज
(iv) न्यूज पेग

(ग)रिपोर्टर द्वारा एंकर को घटनास्थल से फोन द्वारा बताया गया समाचार कहलाता है–

(i) ड्राई एंकर
(ii) फोन इन
(iii) एंकर विजुअल
(iv) एंकर बाइट

(घ)'अखबार की आवाज' किसे माना जाता है?

(i) पहले पृष्ठ में छपे मुख्य समाचार को
(ii) संपादकीय पृष्ठ पर लिखे संपादकीय को
(iii) अंतिम पृष्ठ पर छपे विदेशी समाचार को
(iv) अर्थव्यवस्था से जुड़ी खबरों को

(ङ)मुद्रण की शुरुआत किस देश में हुई?

(v) नेपाल
(vi) चीन
(vii) भारत
(viii) अमेरिका

4.'नैतिक मूल्यों का पतन' विषय पर लगभग **150** शब्दों का आलेख लिखिए। 5

अथवा

'स्वच्छ भारत अभियान' के अन्तर्गत अपने क्षेत्र की प्रगति पर **150** शब्दों की एक रिपोर्ट लिखिए।

5.निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 1+1=2

सबसे खतरनाक होता है,
मुर्दा शान्ति से भर जाना,
न होना तड़प का सब सहन कर जाना।
घर से निकलना काम पर,
और काम से लौटकर घर आना।
सबसे खतरनाक होता है,
हमारे सपनों का मर जाना।

(क)'मुर्दा शान्ति से भर जाना' से कवि का क्या आशय है?

(ख)कवि ने मनुष्य के जीवन में किस भावना की आवश्यकता पर बल दिया है?

(ग)सपनों के मर जाने का क्या परिणाम होता है?

6.निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 1+1=2

यह तेरी रण–तरी
भरी आकांक्षाओं से,
घन, भेरी–गर्जन से सजग सुप्त अंकुर
उर में पृथ्वी के, आशाओं से
नव जीवन की, ऊँचाकर सिर,
ताक रहे हैंऐ विप्लव के बादल।

(क) 'भेरी – गर्जन से सजग सुप्त अंकुर' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'उर में पृथ्वी के, आशाओं से' किसका सिर ऊँचा हो रहा है और क्यों?

(ग)'सुप्त अंकुर का प्रतीकात्मक अर्थ क्या है?

7.निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर इनका भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए– 2+2=4

(क) अंसुवन जल सींचि–सींचि, प्रेम–बेलि बोयी,

अब त बेलि फैलि गयी, आणंद–फल होयी।

(ख) आँगन में ठुनक रहा है जिद्याया है,

बालक तो हई चाँद पै ललचाया है,

दर्पण उसे दे के कह रही है माँ,

देख आईने में चाँद उत्तर आया है।

8. **(क)** जैसे बाढ़ी काष्ट ही काटै अगिनि न काटै कोई।

सब घटि अंतरि तूँ ही व्यापक धरै सरुपै सोई।।

पंक्ति के आधार पर बताइए कि कबीर की दृष्टि में ईश्वर का क्या स्वरूप है? 2

अथवा

'घर की याद' कविता में कवि को घर की याद तरह–तरह से आती है। घर से अलग होकर आप घर को किस तरह याद करते हैं? लिखें।

(ख) दिन जल्दी–जल्दी ढलता है– आवृत्ति से कविता की किस विशेषता का पता चलता है? 2

अथवा

'पेट को हि पचत, बेचत बेटा–बेटकी' तुलसी के युग का ही नहीं आज के युग का भी सत्य है। वर्तमान परिस्थितियों और तुलसी के युग की तुलना करें।

9.निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 1+1=2

मैं इसकी कोशिश करता और बताता कि हिन्दुस्तान वह सब कुछ है, जिसे उन्होंने समझ रखा है, लेकिन वह इससे भी बहुत ज्यादा है। हिन्दुस्तान के नदी और पहाड़, जंगल और खेत, जो हमें अन्न देते हैं, ये सभी हमें अजीज हैं। लेकिन आखिरकार जिनकी गिनती है, वे हैं हिन्दुस्तान के लोग, उनके और मेरे जैसे लोग, जो इस सारे देश में फैले हुए हैं। भारत माता दरअसल यही करोड़ों लोग हैं और ''भारत माता की जय!'' से मतलब हुआ इन लोगों की जय का। मैं उनसे कहता कि तुम इस भारत माता के अंश हो, एक तरह से तुम ही भारत माता हो और जैसे–जैसे ये विचार उनके मन में बैठते उनकी आखों में चमक आ जाती। इस तरह, मानों उन्होंने कोई बड़ी खोज कर ली हो।

(क)''भारत माता की जय'' का क्या आशय है?

(ख)लेखक के मन में भारतमाता के प्रति कैसी भावना है?

(ग)अपने शब्दों में हिन्दुस्तान के गौरव का वर्णन कीजिए।

10.निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए– 1+1=2

बाजार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है, जो जानता है कि वह क्या चाहता है। और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी 'पर्चेजिंग पावर' के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति – शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति ही बाजार को देते हैं। न तो वे बाजार से लाभ उठा सकते हैं, न उस बाजार को सच्चा लाभ दे सकते हैं। वे लोग बाजार का बाजारूपन बढ़ाते हैं। जिसका मतलब है कि कपट बढ़ाते हैं। कपट की बढ़ती का अर्थ परस्पर में सद्भाव की घटी। इस सद्भाव के हास पर आदमी आपस में भाई–भाई और सुहृद और पड़ोसी फिर रह ही नहीं जाते हैं और आपस के कोरे ग्राहक और बेचक की तरह व्यवहार करते हैं।

(क) बाजार को सार्थकता कौन दे सकता है?

(ख) बाजार का बाजारूपन कैसे बढ़ता है?

(ग) इस अनुच्छेद से मिली शिक्षा को आप अपने जीवन में कैसे लागू करेंगे ?

11.'गलता लोहा' कहानी में लेखक ने समाज की किस सच्चाई को व्यक्त किया है? 2

अथवा

'जामुन का पेड़'पाठ की मूल समस्या पर प्रकाश डालिए।

12.'शिरीष के फूल' पाठ के माध्यम से लेखक ने व्यक्ति को अविचल रहने की सीख दी है। इस तथ्य को स्पष्ट की कीजिए। 2

अथवा

जाति प्रथा के सम्बन्ध में डॉ० आंबेडकर के विचारों पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

13.चेजारों के साथ गाँव समाज के व्यवहार में पहले की तुलना में आज क्या फर्क आया है? पाठ के आधार पर लिखिए। 2

अथवा

बेबी की जिंदगी में तातुश का परिवार न आया होता तो उसका जीवन कैसा होता ?

14.'सिल्वर वैडिंग' कहानी वर्तमान पारिवारिक जीवन का वास्तविक चित्रण प्रस्तुत करती है। इस कथन से आप कहाँ तक सहमत है ? अपने विचार व्यक्त कीजिए। 2

अथवा

'जूझ' कहानी के आधार पर कथानायक की पढ़ाई के प्रति ललक का चित्रण कीजिए।

15.आलो आँधारि पाठ में घरों में काम करने वालों के जीवन की जटिलताओं का पता चलता है। घरेलू नौकरों को और किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है ? विचार कीजिए। 4

अथवा

'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर मुअनजो–दड़ो के दर्शनीय स्थलों का परिचय दीजिए।

खण्ड 'ब'

16.अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा मात्र प्रश्न **द्वयो** उत्तरं लिखित– 1+1=2

(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर केवल **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए–)

को न वर्तते, येन न श्रुंत लोकगायिकायाः 'बसन्ती बिष्टः' इत्यस्याः नाम। 'बसन्ती बिष्टः' अस्या लोकगायिकायाः जन्म उत्तराखण्डराज्यस्य 'चमोली' जनपदान्तर्गते 'लुवानी' इत्यस्मिन् स्थाने त्रिपञ्चाशद धिकनवदशतमे वर्षे (1953) अभवत् अस्याः प्रारम्भिक – शिक्षा ग्रामे एव अभवत। इयं प्रथमा छात्रा आसीत् या पञ्चकक्षायां जनपदपरिषद् – परीक्षायां प्रथमं– स्थानं लब्धवती। अध्ययनेन सह अस्याः रुचिः जागर–गायनेऽपि आसीत। बाल्यकालादेव इयं स्वमाता सह विविधावसरेषु जागरगायनं करोति स्म।

(क)'बसन्ती बिष्टः' कीदृशी गायिका अस्ति?

(ख)'बसन्ती बिष्टः' अस्या जन्म कुत्र अभवत ?

(ग) केन सह अस्याः रुचिः जागर–गायनेऽपि आसीत।

17.अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा मात्र प्रश्न **द्वयो** उत्तरं लिखित– 1+1=2

(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर केवल **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए–)

एकदा अनुजः स्वादु मांसम् आनीतवान्।किन्तु तस्य भक्षणात् अग्रजः उदरे महान्तं तापम् अनुभूतवान। अचिरात् एव तेन वमनं प्राप्तम् अपि। अतः सः तस्मिन एव क्षणे 'इतः परं मया मांसभक्षणं न करणीयम्' इति सङ्कल्प्य अनुजम् अवदत् – ''भ्रातः! इतः परम् अहं कदापि मांसभक्षणं न करिष्यामि।'' 'पशुमारणं न युक्तम् इति चिन्तनं मयि अपि अद्य आगतम्। अद्यअरण्ये मातृवियोगेण अश्रूणि स्त्रावयन् मृगशिशुः दृष्टः मया। तस्यैव माता मया हता आसीत् मांसाय। तस्य मृगशिशोः करुणक्रन्दनं ममापि हृदयंद्रावयति तथापि एतां कुलवृत्तिम् अहं त्यक्तुं न अर्हामि। यदि त्यज्येत तर्हि जीवननिर्वाहः अपि क्लेशाय स्यात्'' इति।

(क)अनुजः कीदृशंमांसम् आनीतवान् ?

(ख) अग्रजः उदरे किम् अनुभूतवान् ?

(ग)'मांसभक्षणं न करणीयम्' इति संकल्प्य कः कम् अवदत् ?

18.प्रदत्तं श्लोकं पठित्वा प्रश्न **एकस्य** उत्तरं लिखित – 1

(निम्नलिखित श्लोक को पढ़कर किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए)

यौवनं जीवनंवित्तं छाया लक्ष्मीश्च स्वामिता।

चञ्चालानि षडेतानि ज्ञात्वा धर्मरतो भवेत् ।।

(क) चञ्चलं किम् ?

(ख) कानि चञ्चलानि ज्ञात्वा धर्मरतः भवेत?

(ग) मानव कीदृशं भवेत ?

19.प्रदत्त श्लोकं प्रश्न **एकस्य** उत्तरं लिखत। 1

(निम्नलिखित श्लोक को पढ़कर किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए।)

यस्य कृत्यं न जानन्ति मन्त्रं वा मन्त्रितं परे।

कृतमेवास्य जानन्ति स वै पण्डित उच्यते।।

(क) पण्डितस्य किम् एव जानन्ति ?

(ख) कस्य कृत्यं मन्त्रं वा मन्त्रितं परे न जानन्ति ?

20. संस्कृत पाठ्यपुस्ताकाधारेण प्रदत्तेषु प्रश्नेषु प्रश्न **द्वयो** उत्तरं लिखित। 2+2=4

(संस्कृत पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित में से **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।)

(क) उत्तराखण्डस्य चतुर्णा धाम्नांनामानि लिखत।

(ख) उत्तराखण्डे प्रायशः पुरुषाः कस्यां विद्यायां गायनं कुर्वन्ति?

(ग) जङ्गमस्य सदुपयोगः दुरुपयोगश्च कथं भवति ?

(घ) पलायनसमस्यायाः निराकरणंकथं कर्तुंशक्यते?

21.संस्कृत पाठ्यपुस्तकाधारेण प्रदत्तेषु प्रश्नेषु प्रश्न **द्वयो** उत्तरं लिखित। 2+2=4

(संस्कृत पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित में से **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए)

(क) विद्यालस्य वार्षिक–विवरणस्य प्रस्तुतीकरणं कः करिष्यति ?

(ख) गोविन्दबल्लभपन्तस्य जन्म कस्मिन जनपदे अभवत् ?

(ग) सागरान्तां गां के हरिष्यन्ति?

(घ) जलप्रलये किं किं बभूव ?

22. अधोलिखितेषु पदेषु मात्र **त्रयः**पदानि चित्वा तेषां वाक्यस्चना संस्कृतभाषायां कुरुत–3

(निम्नलिखित पदों में से **तीन** पदों की वाक्य रचना संस्कृत में कीजिए–)

शब्दसूचीः–शिक्षिकाः, कुत्र,सर्वत्र,भवति, जलम्, अम्बोदाः, परितः, किम्।

23. निर्देशानुसारम प्रश्नानाम् उत्तरम् लिखत –1/2×6=3

(निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर लिखिए)

(क) 'नमः+ते' इति विग्रहे सन्धि अस्ति–

(नमः+ते इस विग्रह की सन्धि है–)

(i) नमस्ते
(ii) नमःते
(iii) नमते
(iv) नमन ते

(ख)'रामश्चलति' पदे सधि – विच्छेदः अस्ति–

('रामश्चलति' पद में संधि–विच्छेद है –)

(i) राम+चलति
(ii) रामे+चलति
(iii) रामस्+चलति
(iv) रामश+चलति

(ग)'यथास्थानः' शब्दे कः समासः अस्ति ?

(यथास्थानः शब्द में कौन सा समास है?)

(i) कर्मधारयः
(ii) अव्ययीभावः
(iii) षष्ठी तत्पुरुषः
(iv) द्विगुः

(घ)'केशवः छात्राय पुस्तकंददाति'अत्र छात्राय पदे कारकःअस्ति–

('केशवः छात्राय पुस्तकं ददाति' यहाँ छात्राय पद में कारक है–)

(i) सम्प्रदान कारक
(ii) अपादान कारक
(iii) अधिकरण कारक
(iv) उपर्युक्तेषु कश्चन अपि नास्ति।

(ङ)'हरि' शब्दस्य तृतीया विभक्ति एकवचने रुपं अस्ति–

(हरि शब्द का तृतीया विभक्ति एकवचन का रूप है –)

(i) हरिम्
(ii) हरिभ्याम्
(iii) हरिणा
(iv) हरिभिः

(च) लोट्लकारे प्रथम पुरुष – एकवचनस्य 'नी'धातोः रुपं भवति–

(लोट्लकार प्रथम पुरुष –एकवचन 'नी' धातु का रूप होता है–)

(i) नयानि
(ii) नयतु
(iii) नयेयुः
(iv) नयताम्

24. अस्मिन् प्रश्नपत्रे आगतं श्लोकं विहाय पाठ्यपुस्तकात् कण्ठस्थ **एकं** श्लोकं लिखित्वा हिन्दीभाषायां तस्य अनुवादं कुरुत। 2+2=4

(इस प्रश्नपत्र में आए हुए श्लोक को छोड़कर पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ **एक** श्लोक लिखिए और उसका हिन्दी अनुवाद कीजिए।)